कब मिलहे घनश्याम

कब मिलहे घनश्याम श्याम मुख मोड़ गये सज में,
सुना गोकुल धाम कुञ्ज वन छोड़ गये सच में,
कब मिलहे घनश्याम श्याम मुख मोड़ गये सज में,

हम न हुये हये मोर की पखियाँ हरि करते श्रृंगार,
मुकट पर सज लेते सजनी,
कब मिलहे घनश्याम श्याम मुख मोड़ गये सज में,

हम न हुये हये बांस की बंसी हरि जो रचाते रास
अधर पर धार लेते सजनी,
कब मिलहे घनश्याम श्याम मुख मोड़ गये सज में,

हम न हुये हये यमुना की मछली हरि करते इशनान,
कमल पद छू लेते सजनी,
कब मिलहे घनश्याम श्याम मुख मोड़ गये सज में,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11299/title/kab-milhe-ghanshyaam-shyam-mukh-mod-gaye-saj-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |